2023

ए नए साल तू

खुशियाँ निसार दे

जीवन के हर कोने से

तकलीफें बुहार दे।

रिश्तों में विश्वास हो

नहीं मन मुटाव हो

अनबन की गांठ खुले

मन को आराम मिले

दिल के बाग में बस

प्यार की फुहार दे।

आखों में स्वपन खिलें

हौसलों को दे उड़ान

रोज़गार हाथों को मिले

व्यापार का हो उत्थान

चाँद सी रोटी को बस

भूखे पेट में उतार दे।

नव वर्ष की शुभकामनाएं।